



NAFLD / NASH

के मरीजों हेतु
नैदानिक परीक्षणों
में सहभागिता करने
संबंधी मागर्दशिर्का

इस मागर्दशिर्का का पर्योजन

यह संक्षिप्त मागर्दशिर्का ऐसे लोगों के लिए तैयार की गई है, जिन लोगों की जांच में नॉनएल्कोहलिक फ़ैटी लीवर डिजीज (nonalcoholic fatty liver disease, NAFLD) या नॉनएल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस (nonalcoholic steatohepatitis, NASH) डायग्नोस किया गया है या जिन लोगों का इसका जोखिम है, ताकि वे नैदानिक अनुसंधान अवसरों को समझ सकें एवं इनका मूल्यांकन कर सकें।

इस मागर्दशिर्का में दिए गए प्रश्नों का उत्तर

- **NAFLD एवं NASH क्या हैं?**
- इस क्षेत्र में अनुसंधान क्यों किया जा रहा है?
- NASH अनुसंधान अध्ययन कौन-से प्रश्नों के उत्तर खोज रहा है?
- मेरी सहभागिता से उन प्रश्नों के उत्तर में किस तरह सहायता मिल सकती है?
- NASH परीक्षण पर विचार करते समय मुझे किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए?
- मुझे और अधिक जानकारी कहाँ मिल सकती है?

NAFLD/NASH क्या है

NAFLD का अर्थ है नॉनएल्कोहलिक फ़ैटी लीवर डिजीज़। NASH का अर्थ है नॉनएल्कोहलिक स्टीटोहेपेटाइटिस, यह NAFLD का अधिक गंभीर रूप है, इस रोग में लीवर में वसा का संचय होने लगता है, उसमें सूजन आती है, और उसके साथ ही बैलूनिंग नामक एक प्रकार की इंजरी होती है, इसके साथ में स्कैरिंग (फाइब्रोसिस) हो या नहीं हो सकती है। NASH के कारण सिरोसिस एवं कैंसर हो सकता है, या फिर ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ सकती है।

वर्तमान आकलन के अनुसार हर चार में एक व्यक्ति को पहले से ही NAFLD या NASH है, हालांकि इन स्थितियों की पहचान नहीं हो पाती है, सही से निदान नहीं हो पाता है, तथा सही से उपचार नहीं हो पाता है। जिन लोगों को टाइप 2 डायबिटीज है, 30 से अधिक BMI है, तथा/अथवा 50 वर्ष से अधिक आयु है, उन्हें NAFLD या NASH होने की अधिक सम्भावना होती है, परन्तु यह स्थिति किसी को भी परभावित कर सकती है, यहां तक कि सामान्य वजन वाले व्यक्तियों या बच्चों को भी।



मुझे NAFLD/NASH संबंधी अनुसंधान में सहभागिता करने पर क्यों विचार करना चाहिए?

भारत के अपवाद को छोड़कर, अभी तक किसी भी अन्य विनियामक अधिकरण ने विशिष्ट रूप से NASH के लिए किसी दवा को अनुमोदित नहीं किया है। नैदानिक अनुसंधान अध्ययनों में मरीजों की सहभागिता, परीक्षण डिजाइन किए जाने से लेकर सर्वेक्षण भरे जाने से लेकर जैविक नमूने परदान किया जाना तक शामिल है, इनके बिना दवाएं, उपकरण विकसित करने, या इस रोग के स्पर्कटर्म को समझने या इसका उपचार करने का कोई तरीका नहीं होगा।



इसके अतिरिक्त, अध्ययनों में विभिन्न प्रकार के अभिलक्षणों एवं पृष्ठभूमियों वाले वॉलंटियर्स की जरूरत होती है, जिसे यह सुनिश्चित किया जा सके कि अनुसंधानकर्ता को किसी रोग विशेष से परभावित विभिन्न समूहों के जोखिमों एवं परिणामों को समझ सके। जोखिम, लाभ, एवं उपचार परिणामों को परभावित कर सकने वाली डेमोग्राफिक्स में शामिल हैं: नस्ल, नृजातीयता, आयु, लिंग, तथा सहवर्ती रोग।

NASH अनुसंधान अध्ययन कौन-से परशनों के उत्तर खोज रहा है?

परीक्षणों को आमतौर पर निम्न में विभाजित किया जाता है: इंटरवेंशनल (सक्रिय रूप से कुछ करते रहना) तथा परेक्षणतात्मक (एक निश्चित अवधि के दौरान देखना तथा मॉनिटर करना)। परेक्षणतात्मक परीक्षणों को कभी-कभी पराकृतिक इतिहास अध्ययन भी कहा जाता है।

परेक्षणतात्मक अध्ययन के प्रकार:

ड्रग/मैडीकेशन

जो सूजन एवं वसा को कम कर सकते हैं या बैलूनिंग का समाधान कर सकते हैं

दवाएं

वसा कम होने के परभाव
वजन कम होने के परभाव
फाइब्रोसिस रुकने या वापस होने के परभाव
सूजन कम होने के परभाव

डिवाइस या डायग्नोस्टिक पद्धतियां

(जैसे कि जिनसे नॉन-इनवैजिव पद्धतियों का पर्योग करते हुए किसी व्यक्ति के लीवर का विश्लेषण किया जा सके)

डिवाइसेस

ऑबेसिटी एवं गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्थितियों का समाधान करने वाली इनवैजिव सर्जिकल किर्याविधियों के विकल्प के रूप में डिवाइस-आधारित उपचार

परेक्षणतात्मक परीक्षणों के प्रकार:

परेक्षणतात्मक अध्ययनों में यह देखा जाता है कि NAFLD या NASH किस तरह से समय के साथ बच्चों को परभावित करता है

पराकृतिक इतिहास

आनुवंशिक तथा अन्य जोखिम कारक, जिनसे परगति का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है



- क्या कोई दवा विशेष NASH के कारण होने वाली स्कैरिंग को कम कर सकती है?
- क्या कोई दवा विशेष या दवाओं का संयोजन NASH के कारण होने वाली सूजन को कम कर सकता है?
- क्या कुछ विशेष जीन्स या अन्य कारण होते हैं, जिनके चलते किसी व्यक्ति को अन्य लोगों की तुलना में अधिक तेज गति से NASH परगति होने की सम्भावना होती है?
- क्या कोई विशेष भोजन है, जिससे NASH के मरीजों को सहायता मिलती है?
- क्या कोई ऐसा व्यायाम, अवधि एवं तीव्रता है, जो NASH के मरीजों को सबसे अधिक सहायता करती है?

मेरी सहभागिता से उन परश्नों के उत्तर में किस तरह सहायता मिल सकती है?

वर्तमान में, केवल भारत में विशिष्ट रूप से NASH के लिए अनुमोदित दवा है। वैसे, अनुमोदित हेतु कई दवाओं का नैदानिक परीक्षण किया जा रहा है। और अधिक अनुसंधान हेतु अपेक्षित अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्रों में ये चीजें शामिल हैं - ऐसे मरीजों का उपचार किया जाना जिन्हें NASH एवं डायबिटीज दोनों ही हैं, कुछ विशेष जेनेटिक फैक्टर्स वाले हिस्पैनिक मरीज, साथ ही साथ ऐसे लोग जो पतले हैं और उन्हें NASH है।

अध्ययनों में विविधतापूर्ण अभिलक्षणों एवं पृष्ठभूमियों वाले वालंटियर्स की जरूरत होती है।

क्या मुझे परीक्षण में ऑटोमैटिकली स्वीकार किया जाएगा?

किसी अध्ययन में नामांकन एवं स्वीकार्यता ऑटोमैटिक नहीं होती है। अध्ययनों में इन्क्ल्यूजन मानदण्ड और एक्सक्ल्यूजन मानदण्ड दोनों ही होते हैं। इसके अतिरिक्त, मानदण्ड पूरा करने वाले परत्येक को परीक्षण में स्वीकार नहीं किया जाता है।

- मैं कैसे बता सकता हूँ कि क्या कोई विशिष्ट NASH परीक्षण मेरे लिए सही है?
- NASH परीक्षण पर विचार करते समय मुझे किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए?
- NASH परीक्षण में सहभागिता करते समय मैं क्या अपेक्षा कर सकता हूँ?

क्या नैदानिक परीक्षण आपके लिए उपयुक्त होगा इस बारे में अपने फिजिशियन से परामर्श करें, और क्या आपके क्षेत्र में उपलब्ध नैदानिक परीक्षण के लिए सुझाव देंगे। अध्ययन का लोकेशन कोई अस्पताल, विश्वविद्यालय, फिजिशियन का कार्यालय, कम्युनिटी क्लिनिक, या कोई अन्य लोकेशन हो सकता है, जो कि अध्ययन संचालित करने वाले संगठन पर निर्भर करता है। परीक्षण की अवधि छह महीने से लेकर पांच वर्ष या अधिक तक हो सकती है।

इसके अतिरिक्त, उचित समय लेकर सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करें कि क्या आप किसी विशेष NASH ड्रग या ड्रिवाइस परीक्षण में शामिल गतिविधियों को पूरा कर सकते हैं। सम्भावित गतिविधियों में ये चीजें शामिल हो सकती हैं - फास्टिंग, जीवनशैली संशोधन (जैसे कि पोषण, व्यायाम), ब्लड वर्क पूरा करना (जैसे कि ALT, AST लेवेल), इमेजिंग टेस्ट करवाना (जैसे कि अल्ट्रासाउंड, MRI), तथा यहाँ तक कि एक या अधिक बायोप्सी करवाना, इस किर्याविधि में शरीर से ऊतक का नमूना लेकर उसकी और अधिक जांच की जाती है।

परीक्षण में सहभागिता करने के संबंध में यदि आपके पास कोई और प्रश्न हों, तो आपको अपनी अनुसंधान टीम से पूछना चाहिए, जैसे कि:

- वर्तमान उपचार की तुलना में इस परीक्षण के सम्भावित जोखिम, दुष्परभाव, तथा लाभ क्या हैं?
- मुझे कौन से टेस्ट एवं क्रियाविधियां करवानी होंगी?
- यह अध्ययन कितने समय तक चलेगा?
- यदि मुझे इंटरवेंशन से लाभ मिलता है, तो क्या मैं ट्रायल समाप्त होने के पश्चात इस प्राप्त करना जारी रख सकता हूँ?
- परीक्षण के दौरान मेरी चिकित्सकीय देखभाल का ध्यान कौन रखेगा?
- इस परीक्षण में अध्ययन करने के लिए मुझे कहाँ जाना होगा? क्या इसमें यात्रा करना शामिल है?



पूछे जाने के लिए अन्य सम्भावित प्रश्न देखें, इन्हें यू.एस. के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ द्वारा साझा किया गया है, ये यहां उपलब्ध हैं

<https://clinicaltrials.gov/ct2/about-studies/learn>.

नैदानिक परीक्षण में सहभागिता हेतु अतिरिक्त विशिष्ट विचारण

गभार्वस्था: कुछ विशेष उपचारों के अध्ययन दिशानिर्देशों में, शिशु की सुरक्षा के दृष्टिकोण से सहभागियों को परीक्षण के दौरान तथा अध्ययन के पश्चात एक निश्चित समय अवधि तक गभर्धारण करने से निषेधित किया जा सकता है। यदि आप गभर्धारण करना चाहती हैं, तो कृपया अपने परदाता से बात करें कि गभर्धारण करने के लिए आपको कितने समय तक परतीक्षा करनी होगी, तथा साथ ही गभर्निरोधक उपायों के बारे में परामश्र लें।



छुट्टियां: अध्ययन के अन्तर्गत यदि सहभागियों की नियमित मॉनिटरिंग की जानी है, तो उन्हें विदेश यात्रा करने से निषेधित किया जा सकता है। अध्ययन में नामांकन करने से पहले कृपया किसी यात्रा योजना के बारे में अपने परदाता से बात करें।



नैदानिक परीक्षण
में आपके उपचार
एवं रुचि के बारे में
अपने स्वास्थ्य सेवा
परदाता से बात करें।

सूचित सहमति

सूचित सहमति परक्रिया के माध्यम से अनुसंधानकर्ता सम्भावित एवं नामांकित सहभागियों को किसी नैदानिक अध्ययन में सहभागिता करने के जोखिम एवं सम्भावित लाभों के बारे में बताते हैं, जिसकी सहायता से सम्भावित सहभागी तथा पहले से नामांकित व्यक्ति सुविज्ञ निणर्य ले सकें। इस परक्रिया में विभिन्न पहलू शामिल हो सकते हैं जैसे कि भतीर सामगरी, मौखिक रूप से दिए गए निदेश, परश्न एवं उत्तर सतर, तथा परश्न पूछने के लिए अतिरिक्त अवसर। सामान्य तौर पर, अध्ययन में नामांकन करने से पहले वॉलंटियस को एक सूचित सहमति परलेख को हस्ताक्षरित करना जरूरी होता है, हालांकि वे अपनी स्वच्छा से किसी भी समय अध्ययन से अलग हो सकते हैं।



नैदानिक परीक्षण कैसे काम करता है?

नैदानिक परीक्षणों में एक कठोर प्रक्रिया का पालन किया जाता है। अनुसंधानकर्ता कोई नैदानिक परीक्षण आरम्भ कर सकें एवं लोगों पर किसी दवा को टेस्ट कर सकें, उससे पहले उन्हें यह मूल्यांकन करना जरूरी होता है कि क्या वह दवा उन लोगों को गंभीर रूप से क्षति पहुंचा सकती है। इसे पूरा करने के लिए, वे इन चिट्टों या इन वीवो पिर-क्लीनिकल अनुसंधान करते हैं। आमतौर पर पिर-क्लीनिकल अध्ययनों का आकार बड़ा नहीं होता है।

नैदानिक परीक्षण आरम्भ होने के पश्चात उसे पूरा होने में कई वर्ष लग सकते हैं। जैवचिकित्सीय नैदानिक परीक्षणों के चार चरण होते हैं: I, II, III, एवं IV. चरण II में यह लक्ष्य होता है कि उपयुक्त खुराक एवं उपचार रेजिमें का निर्धारण किया जा सके। कभी-कभी चरण II परीक्षणों को आगे चरण 2A एवं 2B में विभाजित किया जाता है। चरण 2A में विशेष रूप से खुराक आवश्यकताओं पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है, वहीं चरण 2B में दवा की प्रभावित का परीक्षण किया जाता है कि वह दवा रोग का उपचार या रोकथाम करने में कितनी सफल है। चरण III में, सहभागियों को रैंडम तरीके से उपचार समूहों में रखा जाता है, में जिन्हें ट्रायल आर्मर्स भी कहा जाता है। अनुसंधान विकास में इस बिंदु पर, एक NASH मरीज को वर्तमान में चरण 2B या III वाले नैदानिक परीक्षण में सहभागिता के लिए कहा जाएगा। कंट्रोल ग्रुप को मानक-देखभाल उपचार या प्लेसबो दिया जाएगा; अन्य समूह(हों) को नया उपचार मिलेगा। परीक्षणों में दो से अधिक समूह भी हो सकते हैं, जिसमें प्रत्येक समूह को नई दवा की अलग-अलग खुराक दी जाती है।



यदि मैं नैदानिक परीक्षण को छोड़ना या इससे अलग होना चाहूँ, तो क्या होगा?

नैदानिक परीक्षण में सहभागिता पूर्णतया स्वैच्छिक प्रक्रिया है। नैदानिक अनुसंधान में सहभागिता की स्वैच्छिक प्रकृति के चलते यह अपेक्षित होता है कि अन्वेषककर्ता द्वारा प्रत्येक सहभागी को, आरम्भ करने से पूर्व, यह बताया जाए कि उनके पास किसी भी समय, कोई भी कारण बताए बिना अध्ययन से अलग होने का अधिकार है। अध्ययन से अलग होते समय अनुसंधान दल को सूचित करना सुनिश्चित करें।

मैं NAFLD एवं NASH उपचारों के लिए परीक्षण कैसे ढूंढ सकता हूँ?

यूरोपियन यूनियन

यूरोपियन यूनियन (European Union, EU) में EU Clinical Trials Register में ऐसे सभी प्रोटोकॉल एवं इंटरवेंशनल नैदानिक परीक्षणों संबंधी परिणाम की जानकारी होती है, जो EU तथा यूरोपियन इकोनॉमिक एरिया (European Economic Area, EEA) में संचालित किए गए होते हैं, तथा साथ ही ऐसे नैदानिक परीक्षण जो EU एवं EEA के बाहर संचालित किए गए हैं एवं यूरोपियन पीडियाट्रिक-मेडिसिन डेवलपमेंट से संबंधित हैं। डेटाबेस खोजने के लिए www.clinicaltrialsregister.eu/ctr-search/search पर जाएं।



OR



यूनाइटेड स्टेट्स एवं समस्त विश्व

यू.एस. नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में दुनिया भर में, सभी 50 राज्यों में, तथा 219 में देशों में संचालित किए जाने वाले निजी एवं सार्वजनिक वित्त पोषित नैदानिक अध्ययनों का डेटाबेस है। (ध्यान दें कि सूचीबद्ध होने का अर्थ यह नहीं है कि यू.एस. फेडरल सरकार द्वारा उस अध्ययन का मूल्यांकन किया गया हो)। अध्ययन खोजने के लिए www.ClinicalTrials.gov पर विजिट करें। इस साइट पर आप अध्ययनों

की सूची को निम्न तरीकों से फिल्टर कर सकते हैं:

रिक्रूटिंग स्टेटस

(जैसे कि, “रिक्रूटिंग”, “आमंत्रण द्वारा नामांकन”, या “पूणर्”)

पात्रता मानदंड

(जैसे कि आयु एवं लिंग)

कीवर्ड्स

(जैसे कि फ़ैटी लीवर, NAFLD, NASH)

अध्ययन प्रकार

(जैसे कि इंटरवेंशनल [क्लीनिकल ट्रायल] या परेक्षणत्मक)

अध्ययन परिणाम

अध्ययन चरण

वित्त पोषक प्रकार

(जैसे कि उद्योगजगत, अकादमिक अनुसंधान संस्थान, या व्यक्ति)

स्थान

(जैसे कि देश, राज्य, शहर)

विश्व स्वास्थ्य संगठन रजिस्ट्री नेटवर्क

इसके अतिरिक्त, विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization, WHO) रजिस्ट्री नेटवर्क में दुनिया भर से रजिस्ट्रियां शामिल हैं जो स्पष्ट रूप से देश विशेष की होती हैं, जैसे कि ऑस्ट्रेलियाई न्यूजीलैंड नैदानिक परीक्षण रजिस्ट्री (Australian New Zealand Clinical Trials Registry, ANZCTR), नैदानिक परीक्षण रजिस्ट्री - भारत (Clinical Trials Registry - India, CTRI), तथा कोरिया गणराज्य में नैदानिक अनुसंधान सूचना सेवा (Clinical Research Information Service, CRIS)। पूरी सूची एवं

अधिक जानकारी के लिए

www.who.int/clinical-trials-registry-platform/network

पर जाएं।

आपको किसी नैदानिक परीक्षण के बारे में चाहे जहां से जानकारी मिली हो, यह महत्वपूर्ण है कि आप किसी अध्ययन में सहभागिता करने से पहले अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से बात करें।

क्या परीक्षण में सहभागिता करने के अतिरिक्त किन्हीं अन्य तरीकों से अनुसंधान को सपोर्ट किया जा सकता है?

NAFLD/NASH अनुसंधान एवं नैदानिक परीक्षणों को सपोर्ट करने के बहुत से अवसर हैं। मरीजों को पर्यायः नैदानिक परीक्षण डिजाइन परामर्श बोर्ड्स में शामिल किया जाता है, उन्हें परीक्षणोन्मुख परीक्षणों में शामिल होने के लिए कहा जाता है, तथा अनुसंधान हेतु बेहतर वित्त पोषण के लिए पक्ष समर्थन हेतु उनकी आवश्यकता होती है। NASH/NAFLD अनुसंधान के बारे में अधिक जानकारी तथा इसे सपोर्ट करने के लिए ग्लोबल लीवर इंस्टीट्यूट के एडवांस्ड एडवोकेसी एकेडमी से जुड़ें। अधिक जानकारी के लिए www.globalliver.org/advanced-advocacy-academy पर जाएं।





नैदानिक परीक्षण शब्दों की शब्दावली

नैदानिक परीक्षण अनुभव प्राप्त करते हुए आगे बढ़ने के दौरान आप पर्याय: निम्न शब्द सुन सकते हैं। लीवर स्वास्थ्य से संबंधित शब्दों की पूर्ण शब्दावली के लिए कृपया www.globalliver.org/liver-glossary पर जाएं।

बैलूनिंग

कोशिका सृजन एवं आकार-वृद्धि से संबंधित एक प्रकार का सेल डीजेनरेशन।

बायोमार्कर

शरीर में फजियोलॉजिकल गतिविधियाँ मापनीय पदार्थ, जिसे स्थिर स्थिति, असामान्य स्थितियाँ रोग के संकेत के रूप में प्रयोग किया जा सकता है; इसका प्रयोग करते हुए यह निर्धारण किया जा सकता है कि शरीर किसी नए उपचार के प्रतिक्रिती अचूकी तरह से प्रतिक्रिया कर रहा है।

बायोप्सी

किसी रोग की मौजूदगी, कारण या स्तर का पता लगाने के लिए शरीर से ऊतक निकालकर उसकी जांच करना।

ब्लाइंडिंग

नैदानिक अनुसंधान अध्ययन में शामिल एक या अधिक व्यक्तियों से यह छुपाना कि समूहों का आवंटन किस तरह किया गया है, इसका प्रयोग सबसे आमतौर पर रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल में किया जाता है। रैंडमाइजेशन किसी ट्रायल के आरंभ में उपचार समूहों के बीच में भिन्नताओं को कम करता है; ब्लाइंडिंग से भिन्नात्मक उपचार या मूल्यांकन की रोकथाम करने में सहायता मिलती है।

एक्सक्लूजन मानदण्ड

किसी व्यक्ति को सहभागिता करने से रोकने वाले कारक।

नैदानिक परीक्षण शब्दों की शब्दावली

सूचति सहमति

कोई कार्य करने की सहमति देने या कोई चीज होने के लिए अनुमति देना।

इमेजिंग अध्ययन

नॉन-इनवैजिवि टेस्ट, जो शरीर के अंगों एवं संरचनाओं का वस्तुतः चित्र प्रदान कर सकता है। इसमें एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड टॉमोग्राफी (computerized tomography, CT) स्कैन, मैग्नेटिक रीजोनेंस इमेजिंग (magnetic resonance imaging, MRI), तथा अल्ट्रासाउंड शामिल हैं।

इनक्ल्यूजन मानदण्ड

ऐसे कारक, जिन पर खरा उतरना मरीज के लिए जरूरी है, जैसे किराया या लिंग।

संस्थागत समीक्षा बोर्ड (INSTITUTIONAL REVIEW BOARD, IRB)

लोगों का एक समूह जो नैदानिक परीक्षण के प्रोटोकॉल की समीक्षा, अनुमोदन एवं मॉनिटरिंग करता है। उनकी भूमिका यह है कि किसी अध्ययन में सहभागिता करने वाले लोगों के अधिकारों की सुरक्षा की जाए (मानव अनुसंधान मरीज के रूप में संदर्भित), जैसे कि सूचति सहमति प्रपत्र की समीक्षा करने के द्वारा। इस समूह में आमतौर पर विविध पृष्ठभूमि वाले लोगों समेत सामुदायिक सदस्य शामिल होते हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी संगठन द्वारा संचालित की जाने वाली अनुसंधान गतिविधियों की पूरी तरह से एवं पर्याप्त रूप से समीक्षा की गई है। इसे मानव रोगी सुरक्षा समीक्षा बोर्ड या आचार समिति भी कहा जाता है।

इन वटिरो

जीव के बाहर।

इन वीवो

समग्र जीव के अंदर।

प्लेसबो

नषिक्रिय पदार्थ या उपचार, जो दखिने में अध्ययन किए जा रहे उपचार/इंटरवेंशन या सक्रिय दवा जैसे ही होता है, तथा उसके तरीके से दिया जाता है।

प्रधान अनुवेषक

वह व्यक्ति, जो समग्र नैदानिक अध्ययन के वैज्ञानिक एवं तकनीकी दशा के लिए ज़िम्मेदार होता है।

नषिधति दवाएं / भेडकिंशन

ऐसी दवाएं, जिनमें सहभागी नैदानिक परीक्षण के दौरान नहीं ले सकते हैं, क्योंकि उनके कारण अध्ययन प्रभावित हो सकता है।

रेजिमें

स्वास्थ्य को बढ़ावा देने या रीस्टोर करने के लिए वृत्तीय उपचार, जीवनशैली या आहार का एक निर्धारित कोर्स।

स्क्रीनिंग

जब कोई लक्षण नहीं दखिता है, तो शुरुआत में ही रोग का पता लगाने के लिए रोग की जांच करना।

प्रायोजक/अध्ययन प्रायोजक

संगठन या व्यक्ति जो अध्ययन आरंभ करता है, और जिसके पास अध्ययन का प्राधिकार एवं नियंत्रण है।



INTERNATIONAL-NASH-DAY.COM
#NASHDAY



🌐 www.GlobalLiver.org
f @GlobalLiver
t @GlobalLiver
@ @GlobalLiverInstitute
in @GlobalLiverInstitute

परकाशित 2022

ग्लोबल लीवर इंस्टीट्यूट (Global Liver Institute, GLI) एक 501(c)(3) कर-मुक्त गैर-लाभ संगठन है, इसका मुख्यालय वाशिंगटन, डी.सी., यूनाइटेड स्टेट्स में है, तथा इसके कार्यालय यू.एस. एवं यूरोप में हैं। लीवर स्वास्थ्य के संबंध में GLI का दूरगामी लक्ष्य है कि इसे वैश्विक लोक स्वास्थ्य एजेंडा में स्थान दिलवाया जाए, जो कि लीवर रोग की मौजूदगी एवं प्रभाव के अनुरूप हो। GLI का मिशन है कि नवपरवर्तन को बढ़ावा देने, सहयोग को प्रोत्साहित करने, तथा लीवर रोगों के उन्मूलन में सहायता करने हेतु ऑप्टिमल एप्रोच में वृद्धि को सपोर्ट करने द्वारा लीवर रोग से प्रभावित व्यक्तियों एवं परिवारों के जीवन में सुधार करना। अन्तरराष्ट्रीय NASH दिवस तथा इसका लोगो GLI का एक पंजीकृत ट्रेडमार्क है। अधिक जानकारी के लिए www.GlobalLiver.org पर जाएं।

यह विषय सामग्री आम लोगों को उपयोगी स्वास्थ्य जानकारी प्रदान करने के लिए है। यह प्रोफेशनल चिकित्सीय परामर्श, डायग्नोसिस या उपचार के प्रतिस्थापन के रूप में अभीष्ट या निहित नहीं है।

सन्दर्भ

1. National Institute of Diabetes and Digestive and Kidney Diseases. (2018, September). Clinical Trials for NAFLD & NASH. <https://www.niddk.nih.gov/health-information/liver-disease/naflid-nash/clinical-trials>
2. Lackner, C., Gogg-Kamerer, M., Zatloukal, K., Stumtpner, C., Brunt, E. M., & Denk, H. (2008). Ballooned hepatocytes in steatohepatitis: the value of keratin immunohistochemistry for diagnosis. *Journal of hepatology*, 48(5), 821–828. <https://doi.org/10.1016/j.jhep.2008.01.026>
3. Pan, J. J., & Fallon, M. B. (2014). Gender and racial differences in nonalcoholic fatty liver disease. *World journal of hepatology*, 6(5), 274–283. <https://doi.org/10.4254/wjh.v6.i5.274>
4. Mayo Clinic. (n.d.) Clinical Trials: Volunteering. <https://www.mayo.edu/research/clinical-trials/deciding-to-volunteer>
National Institutes of Health, U.S. National Library of Medicine. (2019, March). Learn About Clinical Studies. [ClinicalTrials.gov. https://clinicaltrials.gov/ct2/about-studies/learn](https://clinicaltrials.gov/ct2/about-studies/learn)
5. National Institutes of Health, U.S. National Library of Medicine, [ClinicalTrials.gov](https://clinicaltrials.gov/ct2/about-studies/glossary). (2020, December). Glossary of Common Site Terms. <https://clinicaltrials.gov/ct2/about-studies/glossary>
7. U.S. Food & Drug Administration. (2018, January). Step 2: Preclinical Research. <https://www.fda.gov/patients/drug-development-process/step-2-preclinical-research>
8. National Comprehensive Cancer Network. (n.d.) Phases of clinical trials. https://www.nccn.org/patients/resources/clinical_trials/phases.aspx
9. Cancer.net. (2019, September). Phases of Clinical Trials. <https://www.cancer.net/research-and-advocacy/clinical-trials/phases-clinical-trials>
10. Karanicolas, P. J., Farrokhlyar, F., & Bhandari, M. (2010). Practical tips for surgical research: blinding: who, what, when, why, how?. *Canadian journal of surgery. Journal canadien de chirurgie*, 53(5), 345–348. <https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC2947122/>
11. National Institutes of Health, U.S. National Library of Medicine. (2020, December). Glossary of Common Site Terms. [ClinicalTrials.gov. https://clinicaltrials.gov/ct2/about-studies/glossary](https://clinicaltrials.gov/ct2/about-studies/glossary)